



नामांक

Roll No.

--	--	--	--	--	--	--

Question Booklet No.

--

No. of Questions – 20

P-01-Hindi

No. of Printed Pages – 11

प्रवेशिका परीक्षा, 2025
PRAVESHKA EXAMINATION, 2025

हिन्दी

समय : 3 घण्टे 15 मिनट

पूर्णांक : 40

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

- 1) परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न-पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें ।
- 2) सभी प्रश्न हल करने अनिवार्य हैं ।
- 3) प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका में ही लिखें ।
- 4) जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें ।
- 5) प्रश्न का उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।

P-01-Hindi**[Turn Over**



1. निम्नलिखित बहुविकल्पात्मक प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए । [12×½=6]

- i) निम्नलिखित संज्ञा शब्दों में भाववाचक संज्ञा का उदाहरण है [½]
 - अ) बंधु
 - ब) एकता
 - स) मीठा
 - द) गाना
- ii) ‘जो सोएगा, सो खोएगा’ वाक्यांश में सर्वनाम का भेद है [½]
 - अ) पुरुषवाचक सर्वनाम
 - ब) निश्चय वाचक सर्वनाम
 - स) सम्बन्ध वाचक सर्वनाम
 - द) प्रश्नवाचक सर्वनाम
- iii) ‘शहनाई’ कौन-से वाद्य-यंत्र के समान है ? [½]
 - अ) तबला
 - ब) पखावज
 - स) मंजीरा
 - द) नागस्वरम्
- iv) ‘रसोई’ को ‘भटियारखाना’ किसने कहा है ? [½]
 - अ) मन्नू भंडारी की बहिन सुशीला ने
 - ब) शीला अग्रवाल ने
 - स) मन्नू भंडारी के पिताश्री ने
 - द) डॉ. अंबालाल जी ने
- v) मुख्य चौराहे पर लगवाई गई नेताजी सुभाषचंद्र बोस की प्रतिमा निम्न में से किससे निर्मित थी ? [½]
 - अ) काँसे से निर्मित
 - ब) संगमरमर से निर्मित
 - स) लौह-निर्मित
 - द) काले पत्थर से निर्मित
- vi) बालगोविन भगत के द्वारा बजाया जाने वाला वाद्य-यंत्र था [½]
 - अ) ताशा
 - ब) हारमोनियम
 - स) बांसुरी
 - द) खँजड़ी



- vii) निम्नांकित में से 'नागार्जुन' की काव्य-कृति है [½]
अ) कुरुरमुत्ता ब) मैं मिलटरी का बूढ़ा घोड़ा
स) घर का रास्ता द) कानन- कुसुम
- viii) 'शिव-धनुष भंग' (खण्डित) होने से क्रोधित होने वाले ऋषि का नाम है [½]
अ) महर्षि विश्वामित्र ब) महर्षि वशिष्ठ
स) परशुराम जी द) महर्षि अत्रि
- ix) गोपियों ने योग-साधना को बताया है [½]
अ) कड़वा करेला ब) कड़वी ककड़ी
स) कड़वी निंबोली द) कड़वी तोरई
- x) 'जयशंकर प्रसाद' को 'मंगलाप्रसाद पारितोषिक' दिया गया [½]
अ) 'कामायनी' के लिए ब) 'लहर' के लिए
स) 'झरना' के लिए द) 'आँसू' के लिए
- xi) 'शिवपूजन सहाय' को 'भोलानाथ' कहकर कौन पुकारता था ? [½]
अ) उनकी माताश्री ब) उनके भाई
स) उनके पिताश्री द) उनके पड़ौसी
- xii) 'गाइड' फिल्म की शूटिंग-स्थल का नाम है [½]
अ) गैंगटॉक ब) कवी-लॉग स्टॉक
स) यूमथांग द) लायुंग



2. निम्नांकित प्रश्नों के रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए ।

[6×½=3]

- i) 'दो लीटर दूध' वाक्यांश में _____ विशेषण है । [½]
- ii) ऐसे अव्यय शब्द जो क्रिया की विधि या रीति को व्यक्त करें, _____ कहलाते हैं । [½]
- iii) 'भरमार' शब्द में _____ उपसर्ग है । [½]
- iv) 'बिकाऊ' शब्द में _____ प्रत्यय है । [½]
- v) 'पितृ + आज्ञा' शब्द की सन्धि करने पर बनने वाला शब्द _____ है । [½]
- vi) द्विगु समास में पहला पद _____ होता है । [½]

3. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए ।

[6×½=3]

प्राचीन भारत के इतिहास के पन्नों को पलटे तो नारियों की गौरवमयी गाथाएँ भरी पड़ी हैं । हमारे पूर्वजों का कथन है कि 'यत्र नार्यस्तु पूज्यते रमन्ते तत्र देवता' । यहाँ पूजा से तात्पर्य उनकी मान-मर्यादा और अधिकारों की रक्षा करने से है । उन्हें लक्ष्मी और गृह-देवियों के नाम से संबोधित किया जाता था । पुरुष के समान ही उन्हें शिक्षा मिलती थी। जीवन का बड़े से बड़ा धार्मिक अनुष्ठान उनके बिना पूरा नहीं होता था । देवासुर संग्राम में कैकयी के अद्वितीय कौशल को देखकर दशरथ भी चकित हो गए थे । परंतु हमारा समाज पुरुष प्रधान है । ईश्वर ने भी पुरुष को नारी की अपेक्षा अधिक शक्ति प्रदान की है । वर्तमान युग में भी पुरुष को नारी की अपेक्षा अधिक स्वतन्त्रता प्राप्त है ।

- i) प्रस्तुत गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए । [½]
- ii) हमारे पूर्वजों ने नारी के लिए क्या कहा है ? [½]
- iii) स्त्रियों को किन नामों से संबोधित किया जाता है ? [½]
- iv) देवासुर संग्राम में किसने अपने अद्वितीय कौशल का परिचय दिया था ? [½]
- v) हमारा समाज कैसा है ? [½]
- vi) 'स्वतन्त्र' शब्द का 'विलोम शब्द' लिखिए । [½]



4. निम्नलिखित अपठित पद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए ।

[6×½=3]

ज्यों निकलकर बादलों की गोद से,
थी अभी इक बूँद कुछ आगे बढ़ी ।
सोचने फिर-फिर यहाँ जी में लगी,
आह, क्यों घर छोड़कर मैं यों कढ़ी ।

देव मेरे भाग्य मैं है क्या बदा,
मैं बचूँगी या मिलूँगी धूल में ।
जल उठूँगी गिर अंगारे पर किसी,
चूँ पड़ूँगी या कमल के फूल में ।

बह उठी उस काल इक ऐसी हवा,
वह समंदर ओर आई अनमनी ।
एक सुंदर सीप का था मुँह खुला,
वह उसी में जा गिरी, मोती बनी ।

लोग अक्सर हैं झिझकते-सोचते,
जबकि उनको छोड़ना पड़ता है घर ।
किंतु घर का छोड़ना अक्सर उन्हें,
बूँद लौ कुछ और ही देता है करे ।

- i) दिए गए अपठित पद्यांश का एक उचित शीर्षक लिखिए । [½]
- ii) बूँद द्वारा कहा गया शब्द 'आह' किस भाव को व्यक्त करता है ? [½]
- iii) बूँद की चिंता का विषय क्या है ? [½]
- iv) बूँद के साथ किन लोगों की समानता दिखाई गई है ? [½]
- v) बूँद को समुद्र की ओर कौन ले गया ? [½]
- vi) बूँद 'मोती' किस प्रकार बन गई ? [½]

खण्ड – 'ब'

निर्देश : निम्नलिखित लघूत्तरात्मक प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए ।

[7×1=7]

5. बालगोबिन भगत ने अपने पुत्र की मृत्यु पर रोने के स्थान पर उत्सव मनाने को क्यों कहा ? [1]
6. यशपाल जी ने नई कहानी पर क्या व्यंग्य किया है ? [1]
7. सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' की कविता 'अट नहीं रही है' का मूल भाव लिखिए । [1]
8. किसी 'फसल' का उत्पादन कब संभव है ? 'नागार्जुन' की कविता फसल के आधार पर संक्षिप्त उत्तर लिखिए । [1]
9. सिक्किमी नवयुवक ने 'स्नो-फॉल' के कम होने का क्या कारण बताया ? बताए गए कारण से अपनी सहमति/असहमति भी तर्क सहित संक्षेप में लिखिए । [½+½=1]
10. एक कृतिकार अपनी कृतियों में सदैव क्या भेद बनाए रखता है ? [1]
11. 'आम के आम गुठलियों के दाम' लोकोक्ति का अर्थ लिखते हुए वाक्य में उचित प्रयोग भी कीजिए । [½+½=1]

खण्ड – 'स'

12. निम्नलिखित पठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए । [4×½=2]

भौतिक प्रेरणा, ज्ञानेप्सा-क्या ये दो ही मानव संस्कृति के माता-पिता हैं ? दूसरे के मुँह में कौर डालने के लिए जो अपने मुँह का कौर छोड़ देता है, उसको यह बात क्यों और कैसे सूझती है ? रोगी बच्चे को सारी रात गोद में लिए जो माता बैठी रहती है, वह आखिर ऐसा क्यों करती है ? सुनते हैं कि रूस का भाग्यविधाता लेनिन अपनी डैस्क में रखे हुए डबल रोटी के सूखे टुकड़े स्वयं न खाकर दूसरों को खिला दिया करता था । वह आखिर ऐसा क्यों करता था ? संसार के मज़दूरों को सुखी देखने का स्वप्न देखते हुए कार्ल मार्क्स ने अपना सारा जीवन दुख में बिता दिया । और इन सबसे बढ़कर आज नहीं, आज से ढाई हजार वर्ष पूर्व सिद्धार्थ ने अपना घर केवल इसलिए त्याग दिया कि किसी तरह तृष्णा के वशीभूत लड़ती-कटती मानवता सुख से रह सके ।

- i) वे कौने-से दो भाव हैं, जिन्हें मानव संस्कृति के माता-पिता नहीं माना जा सकता है ?

[¼+¼=½]

- ii) रूस का भाग्यविधाता किसे कहा गया है ?

[½]

- iii) कार्ल मार्क्स का स्वप्न क्या था ?

[½]

- iv) सिद्धार्थ ने अपना घर क्यों त्याग दिया था ?

[½]

अथवा

काशी में जिस तरह बाबा विश्वनाथ और बिस्मिल्ला खाँ एक-दूसरे के पूरक रहे हैं, उसी तरह मुहर्रम-ताजिया और होली-अबीर, गुलाल की गंगा-जमुनी संस्कृति भी एक-दूसरे के पूरक रहे हैं । अभी जल्दी ही बहुत कुछ इतिहास बन चुका है । अभी आगे बहुत कुछ इतिहास बन जाएगा । फिर भी कुछ बचा है जो सिर्फ काशी में है । काशी आज भी संगीत के स्वर पर जगती है और उसी की थापों पर सोती है । काशी में मरण भी मंगल माना गया है । काशी आनंदकानन है । सबसे बड़ी बात है कि काशी के पास उस्ताद बिस्मिल्ला खाँ जैसा लय और सुर की तमीज सिखाने वाला नायाब हीरा रहा है जो हमेशा से दो कौमों को एक होने व आपस में भाईचारे के साथ रहने की प्रेरणा देता रहा ।

- i) गंगा-जमुनी संस्कृति के प्रतीक किसे माना गया है ?

[½]

- ii) काशी के जागने और सोने में क्या समानता है ?

[½]

- iii) काशी में 'मृत्यु को मंगल' मानने के पीछे क्या कारण है ?

[½]

- iv) दो कौमों को आपस में भाईचारे के साथ रहने की प्रेरणा कौन देता रहा है ?

[½]



13. प्रस्तुत पठित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

[4×½=2]

उसकी स्मृति पाथेय बनी है थके पथिक की पंथा की ।

सीवन को उधेड़कर देखोगे क्यों मेरी कंथा की ?

छोटे से जीवन की कैसे बड़ी कथाएँ आज कहूँ ?

क्या यह अच्छा नहीं कि औरों की सुनता मैं मौन रहूँ ?

i) कवि ने स्मृति को क्या माना है ?

[½]

ii) 'सीवन को उधेड़कर देखने' से क्या तात्पर्य है ?

[½]

iii) 'कंथा' शब्द का प्रयोग किन दो संदर्भों के लिए किया गया है ?

[½]

iv) कवि स्वयं के लिए क्या सही मान रहा है ?

[½]

अथवा

मन की मन ही माँझ रही ।

कहिए जाइ कौन पै ऊधौ, नाहीं परत कही ।

अवधि अधार आस आवन की, तन मन बिथा सही ।

अब इन जोग सँदेसनि सुनि-सुनि, बिरहिनि बिरह दही ।

चाहति हुती गुहारि जितहिं तैं, उत तैं धार बही ।

'सूरदास' अब धीर धरहिं क्यों, मरजादा न लही ॥

i) गोपियों के मन की वह कौन-सी बात है जो उनके मन में ही रह गई ?

[½]

ii) गोपियों को किस बात की 'आस' थी ?

[½]

iii) उद्धव ने गोपियों को क्या संदेश दिया और क्यों ?

[½]

iv) विरहाग्नि से बचाने के लिए गोपियाँ किसे पुकारना चाहती हैं ?

[½]



14. 'कबीरदास जी ने बालगोबिन भगत के जीवन पर अमिट प्रभाव डाला।' कैसे ? उपर्युक्त कथन को विस्तार से अध्याय के आधार पर लिखिए। [1½]

(उत्तर सीमा लगभग 60 शब्द)

अथवा

- 'मन्नू भंडारी' ने महानगरों की 'फ्लैट संस्कृति' और 'परंपरागत पड़ोस-कल्चर' में किसे और क्यों श्रेष्ठ माना है ? विस्तार से उत्तर लिखिए। [1½]

(उत्तर सीमा लगभग 60 शब्द)

15. 'संगतकार' कविता के आधार पर एक संगतकार के मानवीय व संवेदनशील व्यक्तित्व का चित्रण कीजिए। [1½]

(उत्तर सीमा लगभग 60 शब्द)

अथवा

- 'यह दंतुरित मुसकान' कविता के आधार पर एक माँ के महत्व को समझाइए। [1½]

(उत्तर सीमा लगभग 60 शब्द)

16. i) लेखक यतींद्र मिश्र अथवा भदंत आनंद कौसल्यायन दोनों में से किसी एक के व्यक्तित्व अथवा कृतित्व के बारे में संक्षेप में लिखिए। [1]

(उत्तर सीमा लगभग 40 शब्द)

- ii) कवि सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' अथवा मंगलेश डबराल, दोनों में से किसी एक के व्यक्तित्व अथवा कृतित्व के बारे में संक्षेप में लिखिए। [1]

(उत्तर सीमा लगभग 40 शब्द)

खण्ड – द

17. 'बच्चों के लिए पीड़ा के समय 'माँ के आँचल' से बढ़कर अन्य कोई सुरक्षित स्थान नहीं होता है ।'

उपर्युक्त कथन को 'माता का आँचल' अध्याय के आधार पर स्पष्ट कीजिए । (उत्तर सीमा लगभग 80 शब्द) [2]

अथवा

'वी गिव अवर टुडे फॉर योर टुमारो'

फ़ौजी छावनी पर लिखे गए उपर्युक्त वाक्य को पढ़कर लेखिका मधु कांकरिया का मन क्यों उदास हो गया ? 'साना-साना हाथ जोड़ि' अध्याय के आधार पर स्पष्ट कीजिए ।

(उत्तर सीमा लगभग 80 शब्द)

[2]

18. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर दिए गए बिन्दुओं की सहायता से लगभग 300 शब्दों में एक निबंध लिखिए ।

[3]

1) समय का महत्त्व

i) प्रस्तावना

ii) समय-नियोजन से ही सफलता

iii) समय धन से महत्वपूर्ण है

iv) विद्यार्थियों के लिए इसका महत्त्व

v) उपसंहार

2) आँखो देखी दुर्घटना

i) प्रस्तावना

ii) घटनास्थल का दृश्य

iii) घोर संकट में हमारा कर्तव्य

iv) दुर्घटनाएँ कैसे रोके ?

v) उपसंहार



- 3) बढ़ती तकनीक-सुविधा या समस्या ?
- प्रस्तावना
 - भिन्न क्षेत्रों में भिन्न तकनीकें
 - तकनीक से प्राप्त सुविधाएँ
 - तकनीकों से उत्पन्न समस्याएँ एवं समाधान
 - उपसंहार
- 4) शिक्षा और रोज़गार
- प्रस्तावना
 - वर्तमान शिक्षा और हमारी आवश्यकताएँ
 - शिक्षा का महत्त्व और उद्देश्य
 - शिक्षा और रोज़गार का संबंध
 - स्थिति और सुधार के उपाय – उपसंहार

19. स्वयं को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, पानीपत का छात्र परेश कुमार कक्षा X, मानते हुए 'खेलो इंडिया' योजना के अन्तर्गत होने वाली जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिता में भाग लेने की अनुमति हेतु अपने प्रधानाचार्य को एक प्रार्थना-पत्र लिखिए ।

[2]

अथवा

स्वयं को हरिद्वार निवासी, अरविन्द कुमार मानते हुए अपने मित्र राकेश कुमार शिमला निवासी को, अपनी बहिन के विवाह में आमन्त्रित करते हुए एक पत्र लिखिए ।

[2]

20. स्वयं को नूतन बाल निकेतन, दीघा रोड, मथुरा के प्रधानाचार्य राजेश कुमार मानते हुए विद्यालय में हिन्दी व कम्प्यूटर विषय के अध्यापकों के रिक्त पदों की सूचना देते हुए एक विज्ञापन उचित प्रारूप में लिखिए ।

[2]

अथवा

स्वयं को क्षेत्रीय प्रबंधक, बड़ौदा ग्रामीण बैंक, रिवाड़ी मानते हुए बैंक शाखा स्थान के परिवर्तन की सूचना देते हुए एक विज्ञापन उचित प्रारूप में लिखिए ।

[2]



DO NOT WRITE ANYTHING HERE